समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 27 August 2026

वसीम कासिम सौदागर : वडापाव स्टेशन के संस्थापक की प्रेरक उद्यमिता

Publisher

Published on 22 Jan 2026

मध्यम वर्गीय परिवार से आने वाले **वसीम कासिम सौदागर** ने साबित किया है कि दृढ़ संकल्प, परिवार का समर्थन और अथक मेहनत कठिनाइयों को अवसर में बदल सकती हैं। आज वसीम **Vadapav Station** के संस्थापक हैं—एक तेजी से बढ़ती फूड ब्रांड जिसने कम समय में ही ग्राहकों के बीच विश्वास और लोकप्रियता हासिल कर ली है।

संघर्ष से प्रेरित यात्रा

वसीम का पालन-पोषण ऐसे घर में हुआ जहाँ उनके पिता रिक्शा ड्राइवर थे और दैनिक मेहनत-मजदूरी के बीच परिवार का भरण-पोषण करते थे। ऐसे माहौल में बचपन बिताने से वसीम में **धैर्य, ईमानदारी और दृढ़ता** की भावना विकसित हुई।

शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने पेशेवर करियर की शुरुआत **लैब तकनीशियन** के रूप में की। लेकिन नौकरी में स्थायित्व का अभाव और अचानक बेरोजगारी का डर हमेशा बना रहा।

और फिर वही डर वास्तविकता बन गया—एक समय ऐसा आया जब वसीम अपनी नौकरी खो बैठे और परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर पूरी तरह से आ गई।

निर्णायक मोड़ : पिता का मार्गदर्शन

इस कठिन समय में वसीम को परिवार से अपार समर्थन मिला। उनके पिता का सरल लेकिन प्रभावशाली सुझाव उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट बन गया:

> “हम महाराष्ट्र में रहते हैं—यहाँ काम की कमी कभी नहीं होती।”

पिता ने वसीम को **वडापाव व्यवसाय** शुरू करने की सलाह दी। शुरू में संदेह था, लेकिन परिवार की आस्था ने उन्हें आगे बढ़ने का

विश्वास दिलाया।

इसके साथ ही वसीम के छोटे भाई ने अपने **सहायक प्रबंधक पद से त्याग** करते हुए पूरी तरह से वसीम के साथ व्यवसाय को आगे बढ़ाने में योगदान दिया।

"वडापाव स्टेशन" की शुरुआत

ईमानदारी, लगातार मेहनत और गुणवत्ता पर ध्यान देने के साथ भाइयों ने **Vadapav Station** की नींव रखी। जो शुरुआत में एक छोटा स्टॉल था, वह जल्दी ही अपने **स्वाद, स्वच्छता और प्रामाणिकता** के लिए लोकप्रिय हो गया।

केवल छह महीनों में, वडापाव स्टेशन के **तीन आउटलेट्स** खुल गए और 10 लोगों को स्थायी रोजगार मिला। इस व्यवसाय ने न केवल वसीम के परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान की, बल्कि कई अन्य लोगों के जीवन में भी स्थिरता लाई।

बेरोजगारी से नेतृत्व तक

वसीम कहते हैं,

> "आज मेरे पास नौकरी नहीं है—मेरी टीम है, जो परिवार की तरह महसूस होती है।"

उनकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि **नेतृत्व विश्वास, साझा प्रयास और विनम्रता से बनता है।**

भविष्य के लिए दृष्टि

वसीम की महत्वाकांक्षा केवल स्थानीय सफलता तक सीमित नहीं है। उनका दीर्घकालिक लक्ष्य **महाराष्ट्र की प्रामाणिक वडापाव को पूरे भारत मे पंहचान दिलाना** है।

वो इसे सिर्फ स्ट्रीट फूड नहीं, बल्कि **महाराष्ट्र की पाक पहचान का प्रतीक** बनाना चाहते हैं। इसके लिए वडापाव का मूल स्वाद और गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आभार और वास्तविक सफलता

वसीम अपनी सफलता का श्रेय **परिवार के समर्थन**, विशेष रूप से पिता और भाई, और अपनी टीम की मेहनत को देते हैं।

> "यह केवल मेरी सफलता नहीं है—यह मेरे परिवार की आस्था और टीम की मेहनत का परिणाम है।"

एक प्रेरक कहानी

वसीम कासिम सौदागर और वडापाव स्टेशन की यात्रा यह सिखाती है कि सफलता हमेशा विशेषाधिकार से शुरू नहीं होती—यह साहस, लचीलापन और छोटे से शुरुआत करने की इच्छा से शुरू होती है।

उनकी कहानी उन सभी महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए प्रेरणा है, जो सामान्य पृष्ठभूमि से आने के बावजूद अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं।

सम्मान और पहचान

वसीम कासिम सौदागर की इस शानदार उपलब्धि को "**Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025**" जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए चुना गया है। यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा उन उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

भव्य पुरस्कार समारोह

इस पुरस्कार समारोह में कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियाँ शामिल होंगी:

- **वर्षा उसगांवकर** – बॉलीवुड अभिनेत्री
- **सोनाली कुलकर्णी** – भारतीय अभिनेत्री
- **प्रार्थना बेहेरे** – भारतीय अभिनेत्री

यह आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, *Founder & CEO, Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd. (Reseal.in)* के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा, जो महाराष्ट्र के उद्यमियों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने के लिए कार्यरत हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.